प्रकृति उत्सव में पर्यावरण प्रेमियों का जमावड़ा

इंडियन नर्सरीमेन एसोसिएशन (आईएनए) ने 12 फरवरी को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में 'प्रकृति उत्सव' का शानदार आयोजन किया। यह आयोजन नर्सरी सेक्टर के पेशेवरों, पर्यावरणविदों और नीति निमार्ताओं के लिए महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ, जहां शहरी हरितीकरण, पेड़ संरक्षण और सस्टेनेबल नर्सरी प्रबंधन पर गहन चचार्एं हुईं। देशभर से सैकड़ों नर्सरीमैन ने हिस्सा लिया, जो भारत में फ्लोरिकल्चर और लैंडस्केपिंग की बढ़ती चुनौतियों पर एकजुट हुए।

मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय शिक्षामंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने शिरकत की। उन्होंने भावुक होकर कहा, 'जो लोग प्रकृति के करीब होते हैं, वे स्वाभाविक रूप से सीधे-सादे और सरल होते हैं। प्रकृति ही हमारा सच्चा गुरु है।' उनके शब्दों ने मंच पर सभी को प्रभावित किया। पूर्व सांसद केसी त्यागी ने आईएनए के योगदान की खुलकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'आईएनए जो काम कर रही है, वह न केवल सराहनीय बल्कि देश के पर्यावरण संरक्षण के लिए अनिवार्य है। इनके प्रयासों से लाखों पौधे सड़कों, पार्कों और शहरों में पहुंच रहे हैं।' पर्यावरण विशेषज्ञ सुनीता नारायण ने पेड़ संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने अपील की, ₹हर व्यक्ति को कम से कम एक नया पौधा लगाना चाहिए। यह छोटा कदम जलवायु परिवर्तन के खिलाफ बड़ा हथियार बनेगा।'

तबरेज खान
सलाहकार, नर्सरी टुडे

वाईपी सिंह का नेतृत्व : आईएनए अध्यक्ष वाईपी सिंह स्वास्थ्य कारणों से अनुपस्थित रहे, इसलिए वाइस प्रेसिडेंट नबा कुमार दास उनकी जगह मंच पर मौजूद रहे। सिंह के डायनामिक और विजनरी नेतृत्व में संस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। 1992 में उन्होंने दिल्ली में ग्रीनवेज नर्सरी की स्थापना की, जो उत्तर भारत की सबसे बड़ी प्लांट कलेक्शन नर्सरी है। 2018 से आईएनए अध्यक्ष बनने के बाद उन्होंने राज्य चैप्टर्स मजबूत किए और 'प्लांट पेरेंटिंग' कैंपेन शुरू किया।

पर्यावरण योद्धा के रूप में उन्हें कई सम्मान मिल चुकं हैं। 18 दिसंबर 2024 को जल प्रहरी सम्मान, 5 सितंबर 2025 को 'पर्यावरण रत्न' (कान्स्टीट्यूशनल क्लब), 25 दिसंबर 2024 को महामना अवॉर्ड और 30 सितंबर 2025 को ईसीसीआई द्वारा पर्यावरण योद्वा सम्मान प्रमुख रूप से शामिल हैं। वाईपी

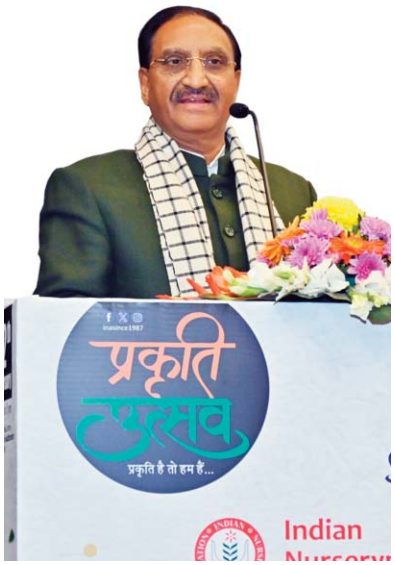

सिंह के प्रयासों से नर्सरी सेक्टर नीतिगत स्तर पर दिन ब दिन मजबूत हो रहा है।

हर राज्य से नर्सरी प्रतिनिधि पहुंचे

सबसे महत्वपूण बात ये रही कि देश के हर राज्य से नर्सरी प्रतिनिधि पहुंचे। इनमें उत्तर प्रदेश चैप्टर प्रमुख रफीक खान, असम चैप्टर प्रमुख रूबुल हसन, पंजाब चैप्टर प्रमुख इंद्रजीत सिंह, पश्चिम बंगाल चैप्टर प्रमुख नबा कुमार दास एवं गोबीनाथ बैग, मध्य प्रदेश चैप्टर प्रमुख प्रमोद भार्गव, तमिलनाडू चैप्टर प्रमुख प्रतीश राजा, हरियाणा चैप्टर प्रमुख डॉ अशोक यादव, गुजरात चैप्टर प्रमुख कामराज चौधरी, बिहार चैप्टर प्रमुख एके मणि और आंध्र प्रदेश चैप्टर प्रमुख संजीव रेड्डी आदि मौजूद रहे।

मंच संचालन आईएनए जनरल सेक्रेटरी मुकुल त्यागी ने बखूबी निभाया। लंबे समय

आईएनए से जुड़े मुकुल त्यागी ने सदस्यता विस्तार, नीति पैरवी और जागरूकता अभियानों में अग्रणी भूमिका निभाई है। उनकी कुशल अगुवाई से आयोजन सुचारू रहा। आईएनए के ट्रेजरर मुकेश शर्मा के परिश्रम की जितनी सराहना हो, कम है। उन्होंने सभी प्रमुख अतिथियों का व्यक्तिगत स्वागत किया, लॉजिस्टिक्स का इंतजाम संभाला और पूरे आयोजन को सहज बनाया।

एनुअल जनरल मीटिंग में विस्तृत समीक्षा

लंच सत्र के बाद आईएनए की एनुअल जनरल मीटिंग (एजीएम) आयोजित हुई। सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई। ट्रेजरर मुकेश शर्मा ने वित्तीय वर्ष 2024-25 का विस्तृत लेखा-जोखा पेश किया।

इसमें एसोसिएशन की आय-व्यय, सदस्यता वृद्धि और परियोजनाओं की प्रगति पर रोशनी डाली गई। वाईपी सिंह के नेतृत्व वाली परियोजनाओं की सफलता पर चर्चा हुई। नए लक्ष्यों और भविष्य की योजनाओं पर विचार किया गया।

संस्थाओं को सम्मान

कार्यक्रम का एक हाइलाइट रहा कि पर्यावरण क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 13 प्रमुख एनजीओ को सम्मानित भी किया गया। जिसमें नई दिल्ली नेचर सोसाइटी, गुरु जल, प्लैनेट अर्थ, वितान अर्थ फाउंडेशन, अवध संस्कृति उत्कर्ष समिति, इंडियन वाटर फाउंडेशन, राइज फाउंडेशन, भारतीय योग महासंघ, गिव मी ट्रीज ट्रस्ट, मिशन 100 करोड़ ट्री, संकल्पतरु फाउंडेशन, नीर फाउंडेशन शामिल रहे। इन संगठनों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए, जो उनके वनीकरण, जल संरक्षण और जैव विविधता संरक्षण के प्रयासों को मान्यता देता है।

सहभागिता

प्रमुख उपस्थित सदस्यों में गालिब खान, कमभम किशोर कुमार रेड्डी, इंदूरी चंद्रा मोहन, विकास महाजन, मेरठ मंडल चैप्टर प्रमुख आरिफ खान, कायमगंज मंडल चैप्टर प्रमुख कश्मीर सिंह, अमरोहा मंडल चैप्टर प्रमुख खालिद, सहारनपुर मंडल चैप्टर प्रमुख खालिद खान एवं विभिन्न राज्य चैप्टर्स के प्रतिनिधि और उद्योग विशेषज्ञ शामिल रहे। यह आयोजन न केवल नेटवर्किंग का केंद्र बना, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए नीतिगत सुझावों पर भी विचार-विमर्श हुआ। आईएनए ने घोषणा की कि अगले उत्सव में डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए अधिक व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। प्रकृति उत्सव ने एक बार फिर साबित कर दिया कि सामूहिक प्रयासों से भारत को हरित राष्ट्र बनाने का सपना साकार हो सकता है।